

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

2. (Signature) _____
(Name) _____

Test Booklet No.

D-6205

PAPER – III

Time : 2½ hours] Comparative Study of Religions [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

Comparative Study of Religions

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

(Read the following Passage and give answers of questions No. 1 to 5 given below in 30 words each)

Clearly, a major reason for modern society's devotion to material progress is the very success of science and technology. Now the wonderful thing about these forms of human endeavour is that they bring immediate satisfaction. These are unlike prayer, the results of which are, for the most part, invisible if indeed prayer works at all. And we are impressed by results. Unfortunately, this devotion encourages us to suppose that the keys to happiness are material well being on the one hand and the power conferred by knowledge on the other. This however, can cause us to lose touch with the wider reality of human experience and, in particular, our dependence on other. As the influence of religion declines, there is mounting confusion with respect to the problem of how best we are to conduct ourselves in life.

- His Holyness Dalai Lama

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या 1 से 5 के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

यह बात स्पष्ट है कि भौतिक प्रगति के प्रति आस्था का प्रमुख कारण है- विज्ञान और तकनीक की उन्नति। आज मानव प्रयासों के इन रूपों के विषय में विस्मयकारी बात यह है कि वे तुरन्त संतोष उत्पन्न करते हैं। वे प्रार्थना से बिल्कुल भिन्न हैं, जिन प्रार्थनाओं के परिणाम अधिकांशतः अदृश्य होते हैं, यदि प्रार्थना का कोई परिणाम होता भी है तो और हम परिणामों से प्रभावित होते हैं। दुर्भाग्य से यह आस्था हमें इस बात की कल्पना करने के लिए प्रेरित करती है कि आनन्द की कुंजी एक तरफ भौतिक प्रगति में है और दूसरी तरफ वह शक्ति है जो हमें ज्ञान से मिलती है। यद्यपि यह तथ्य हमें मानव अनुभव की व्यापक वास्तविकता के संघर्ष से हटाता है और खास तौर पर दूसरों पर हमारी निर्भरता से। जैसे-जैसे धर्म के प्रभाव का ह्रास होता है जीवन में हमें किस प्रकार उत्तम आचरण करना चाहिए इस सम्बन्ध में उसी अनुपात में भ्रम पैदा होता जाता है।

- परम पावन दलाई लामा

1. What problems man have to face by the erosion of the influence of religion ?

धर्म का प्रभाव कम होने मनुष्य को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

2. Why man impressed by the results of science and technology ?

विज्ञान और तकनीक के परिणामों से मनुष्य क्यों प्रभावित होता है?

3. What do you understand by Prayer ?

प्रार्थना से आप क्या समझते हैं?

4. What are reasons for loss of faith in Prayer ?

प्रार्थना में आस्था के कम होने के क्या कारण हैं ?

5. Explain in brief author's view in your own words.

अनुच्छेद के लेखक के विचारों की आप अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What are the major scriptures of the major Religions ? Name them.

प्रमुख धर्मों के प्रमुख धर्मग्रन्थों के नाम लिखिए।

7. Name the Propounders of the Semitic Religious.

सामी (ईसाई, इस्लाम) धर्मों के संस्थापकों के नाम लिखिए।

8. Write a short note on ethical conduct in Buddhism.

बौद्ध धर्म की आचार-संहिता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

9. Give a brief description of the four Vedas.

चार वेदों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

10. Write briefly about two older Upanisads.

दो प्राचीन उपनिषदों पर लिखिए।

11. Give an introduction of Ācārangasutta.

आचारंगसूत्र का परिचय दीजिए।

12. Write the name of seven fundamentals according to Jainism.

जैन धर्म के अनुसार सात पदार्थों के नाम लिखिए।

13. Define the term TIPITAKA.

तिपिटक पारिभाषिक पद की परिभाषा कीजिये।

14. Define the term BUDDHA.

बुद्ध पारिभाषिक पद की परिभाषा कीजिये।

15. Describe the meaning of crucifixion.

‘क्रूसिफिक्शन’ का अर्थ समझाइए।

16. Explain the different meanings of the term ‘Church’ in Christianity.

ईसाई धर्म में ‘चर्च’ शब्द के विभिन्न अर्थों की व्याख्या कीजिए।

17. What is meant by Indian Ocean Trade Under Abbasids ? Write.

अब्बासी के अन्तर्गत भारतीय सामुद्रीक व्यापार का क्या अर्थ है, लिखिए।

18. Describe the main theme of the philosophy of Ibu Arabi briefly.

इबु अरबी के दर्शन के प्रमुख विषय का वर्णन कीजिए।

19. Write names of four sufi silsilas.

चार सूफी सिलसिलों के नाम लिखें।

20. How Gurgaddi was transferred to the successor ?

उत्तराधिकारी को गुरुगद्दी कैसे सौंपी जाती थी ?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प – I

HINDUISM / हिन्दूधर्म

21. Write briefly about any five Purāṇas.
किन्हीं पांच पुराणों पर संक्षेप में लिखिए।
22. Describe briefly about the four Puruṣārthas .
चार पुरुषार्थों का संक्षेप में विवरण दीजिए।
23. Write a note on the Vedic god Indra.
वैदिक देवता इन्द्र पर एक टिप्पणी लिखिए।
24. Discuss the basic tenets of Vaiśeṣika Philosophy.
वैशेषिक दर्शन के मौलिक सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।
25. Write a short essay on Brahmo Samāj.
ब्रह्म समाज पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II

JAINISM / जैन धर्म

21. Discuss briefly the six substances according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार छह द्रव्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
22. Throw light on the five vows according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार पाँच व्रतों पर प्रकाश डालिए।
23. Write a short notes on the Jaina temples of Mount Abu.
माउन्ट आबू के जैन मंदिरों पर एक टिप्पणी लिखिए।
24. Write short notes on the following :
- (a) Lord Raśabhdeva
(b) Acārya Haribhadra
- निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -
- (अ) भगवान् ऋषभदेव
(ब) आचार्य हरीभद्र
25. Discuss the concept of Syādavāda in Jainism.
जैन धर्म में स्याद्वाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III / विकल्प – III

BUDDHISM / बौद्ध धर्म

21. Discuss the causes and reasons for the origin of Buddhism.
बौद्ध धर्म के उद्भव के हेतुओं और कारणों का विवेचन कीजिये।

22. Discuss the scriptural sources of life - sketch of the Buddha.

बुद्ध की जीवन-रेखा के आगम-परक स्रोतों का विवेचन कीजिये।

23. Write an essay on the Paticcasamuppada (Pratitya - samutpada).

पटिच्चसमुप्पाद (प्रतीत्यसमुत्पाद) पर एक निबन्ध लिखिये।

24. Discuss the Buddhist Councils held in India, Sri Lanka and Myanmar.

भारत, श्रीलंका और म्यांमार में आयोजित बौद्ध संगीतियों का विवेचन कीजिये।

25. Write the significance of the Twenty - two OATHS administered by Baba Saheb Bhimrao Ambedkar to his Buddhist followers.

बाइस प्रतिज्ञाओं के महत्व का वर्णन कीजिये, जिन्हें बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर ने अपने अनुयायियों को दिया था।

OR / अथवा

Elective - IV / विकल्प-IV

CHRISTIANITY / ईसाई धर्म

21. What do you understand by the Christian term 'original sin' ?

ईसाई धर्म में 'मूलपाप' संकल्प के विषय में आप क्या जानते हो?

22. Write in brief about Greek Christian Church.

ईसाई ग्रीक चर्चों के बाबत संक्षिप्त में बताएं।

23. On what ground Judaism differs from Christianity ?

किस आधार पर यहूदी मत ईसाई मत से भिन्न है?

24. Write about development of Christianity in India.

भारत में ईसाई मत के विकास का वर्णन करें।

25. "Judaic God is a jealous God", how you explain this idea ?

'यहूदी ईश्वर ईर्षालु ईश्वर है', कैसे स्पष्ट करें।

OR / अथवा

Elective - V / विकल्प – V

ISLAM/ इस्लाम धर्म

21. Briefly mention the important stages in the life of Prophet Mohammad.

पैगम्बर मोहम्मद के जीवन के महत्व पड़ावों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

22. Describe the role of Prophet Mohammad in the Medinian state.

मदीना राज्य में पैगम्बर मोहम्मद की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

23. Briefly describe the main achievements of Abu Su'ayb as a philosopher.

इबनुसीना की दार्शनिक रूप में क्या उपलब्धियां थी, संक्षेप में लिखिए।

24. What is Khanqah and what was its use in Sufi tradition.

सूफी परम्परा में खांकाह क्या था और उसका उपयोग क्या था, लिखिए।

25. Discuss the goal set by Tablighi Jaina't for itself.

तबलीघी जमात ने अपने लिए क्या आदर्श प्रस्तुत किया, स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V / विकल्प – V

SIKHISM / सिख धर्म

21. Write a note on the authorship of Dasam Granth.

दसम ग्रंथ के करत्रित्तव पर नोट लिखें।

22. Why Guru Arjan Dev was executed ?

गुरु अर्जन देव की शहादत के क्या कारण थे ?

23. Who was Sher Mohammad Khan ?

शेर मुहम्मद खां कौन थे ?

24. Clarify concept of Guru in Sikh religion.

सिख धर्म में गुरु का संकल्प स्पष्ट करें।

25. Write a note of Baba Banda Singh Bahadar.

बाबा बंदा सिंह बहादर पर निबंध लिखें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write about the Bhakti and Reform movements of the medieval period.
मध्ययुग के भक्ति और धार्मिक आन्दोलनों के सम्बन्ध में लिखिए।

OR / अथवा

Explain the main teachings of Jainism in modern context.
जैनधर्म की प्रमुख शिक्षाओं की आधुनिक सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the evolution and expansion of Buddhism in historical perspective.
बौद्ध धर्म के उद्भव और विस्तार का विवेचन इतिहासिक दृष्टिकोण से कीजिए।

OR / अथवा

Explain doctrine of Trinity and the theory of Redemption in Christianity.
ईसाई धर्म में 'ट्रिनिटी' और 'रिडेम्पशन' सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

What is Sufism ? Describe the contribution of the sufis to the Muslim societies.
सूफीमत क्या है? सूफीमत का मुस्लिम समाज के लिए क्या अवदान है, इसका वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Write in detail you know about the martyrdom of Guru Arjan Dev.
गुरु अरजन देव जी की शहादत बाबत विसत्रित वर्णन करें।

Lined writing area consisting of 32 horizontal lines.

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date